नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

खेती के लिए नई राहत

मध्यप्रदेश में किसानों को सिंचाई के लिए अब रात के बजाय दिन में 10 घंटे बिजली देने का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का निर्णय केवल बिजली आपूर्ति की व्यवस्था में बदलाव नहीं है, बल्कि यह खेती-किसानी से जुड़े उस मानवीय पक्ष को भी स्वीकार करता है, जिसकी लंबे समय से अनदेखी होती रही है. खेतों में रात के समय सिंचाई करना किसानों के लिए मजबूरी रहा है. अंधेरे में खेतों तक पहुंचना, बिजली के तारों और कृषि उपकरणों के बीच काम करना तथा जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा झेलना किसानों की रोजमर्रा की चुनौती रही है. ऐसे में दिन में पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना निश्चित रूप से किसानों की सुरक्षा और सुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है.

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर के मेला मैदान में बलराम जयंती महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में ही 10 घंटे बिजली दी जाएगी. उन्होंने रात में बिजली देने से होने वाली दुर्घटनाओं और अन्य परेशानियों का उल्लेख करते हुए सरकार के निर्णय की वजह भी स्पष्ट की. यह बात इसलिए महत्वपूर्ण है कि कृषि क्षेत्र में बिजली केवल एक सरकारी सुविधा नहीं, बल्कि उत्पादन की पूरी प्रक्रिया का आधार है. समय पर सिंचाई न हो तो महंगे बीज, खाद और किसान की मेहनत सब पर संकट खड़ा हो जाता है.

इस निर्णय का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू प्रदेश की बढ़ती बिजली उत्पादन क्षमता है. मुख्यमंत्री के अनुसार ढाई वर्ष पहले मध्यप्रदेश में 25 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा था, जो अब बढ़कर 31 हजार मेगावाट हो गया है. यानी लगभग 6 हजार मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता प्रदेश की ऊर्जा व्यवस्था में जुड़ी है. मुख्यमंत्री का यह दावा कि प्रदेश में बिजली की कमी नहीं है और सबसे अधिक उत्पादन हो रहा है, तभी सार्थक माना जाएगा जब इसका लाभ गांवों और खेतों तक निर्बाध रूप से पहुंचे. बिजली उत्पादन में वृद्धि का वास्तविक अर्थ तभी है जब किसान को अपनी जरूरत के समय पर्याप्त बिजली मिले.

मध्यप्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्य के लिए ऊर्जा और सिंचाई का संबंध सीधे ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा है. बिजली की उपलब्धता बढ़ने से सिंचाई का दायरा बढ़ता है, फसल उत्पादन में स्थिरता आती है और किसान मौसम की अनिश्चितता से कुछ हद तक मुकाबला कर पाता है. दिन में बिजली मिलने से किसानों को रातभर खेतों में जागकर सिंचाई करने की मजबूरी भी कम होगी. इससे उनकी दिनचर्या, स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. हालांकि सरकार के सामने असली चुनौती इस निर्णय को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने की होगी. केवल घोषणा पर्याप्त नहीं है. किसानों को निर्धारित 10 घंटे बिजली नियमित रूप से मिले, वोल्टेज स्थिर रहे और ग्रामीण क्षेत्रों में फाल्ट होने पर आपूर्ति जल्द बहाल हो, यह भी सुनिश्चित करना होगा. बिजली वितरण कंपनियों को कृषि फीडरों की निगरानी और रखरखाव पर विशेष ध्यान देना होगा.

मध्यप्रदेश में बिजली उत्पादन बढ़ने की उपलब्धि को किसानों की सुविधा से जोड़ना सरकार की सही प्राथमिकता है. खेत में दिन का उजाला और समय पर बिजली किसान के लिए केवल सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षित और उत्पादक खेती की नई शुरुआत बन सकती है. अब जरूरत इस बात की है कि उत्पादन की बढ़ी क्षमता का लाभ गांव के अंतिम किसान तक पूरी विश्वसनीयता के साथ पहुंचे.

डिजिटल पेमेंट पर टैक्स से इकोनॉमी को क्षति

ऐसा कदम न उठाया जाए

स्टॉक मार्केट की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा तो सरकार सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स यानी एसटीटी और कैपिटल गेन टैक्स की अवधारणा लेकर आई. मगर यूपीआई पर किसी तरह के टैक्स लगाने की अवधारणा सरकार यदि लेकर आती है, तो यह भारत में डिजिटल भुगतान की गतिशीलता को बाधित करेगा.

आज समूची दुनिया में डिजिटल भुगतान के जितने लेन-देन हो रहे हैं, उसमें आधे के करीब अकेले भारत में हो रहे हैं. भारत के उपभोक्ता समाज का करीब हर तबका और देश के महानगरों से लेकर गांव-गांव तक खरीदारी अब नकद लेन-देन के बजाय मोबाइल के विभिन्न यूपीआई एप के जरिए हो रही है. भारत में सभी तरह के लेन-देन का करीब 85 फीसद हिस्सा डिजिटल तरीके से हो रहा है. अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने तो भारत को सबसे त्वरित डिजिटल भुगतान के मामले में दुनिया का लीडर घोषित कर दिया है. भारत में औसतन 66 करोड़ डिजिटल लेन-देन रोजाना दर्ज हो रहे हैं.

पिछले जून महीने में देश में 18.39 अरब यूपीआई लेन-देन के मामले दर्ज हुए, जिसके जरिए 24 लाख करोड़ रुपये की राशि का विनिमय हुआ. भारत की यूपीआई भुगतान व्यवस्था का स्वरूप तो अब वैश्विक आकार ले रहा है, जो दुनिया के करीब 11 देशों में अपने पैर पसार चुका है. इनमे फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं.

कहना न होगा कि भारत में डिजिटल भुगतान को देशव्यापी और जनव्यापी बनाने में विगत में शुरू की गई वित्तीय समावेशी जनधन योजना का भी बड़ा हाथ रहा है. जनधन योजना की वजह से देश में पिछले एक दशक में खुले करीब 60 करोड़ नए बैंक खातों ने भी इसमें बड़ी भूमिका अदा की है.

पिछले दो दशक में भारत में घटित मोबाइल क्रांति और देशव्यापी आधार कार्ड के पहचान के साथ जनधन खातों के त्रिकोण ने इस बड़ी क्रांति को अंजाम दिया है. देश में डिजिटल भुगतान को पनपने में भारत की वित्तीय आधारभूत संरचना यानी बैंकों की भी बड़ी भूमिका रही है. इस पूरी डिजिटल भुगतान व्यवस्था में देश के करीब 700 बैंक आपस में साझेदार के तौर पर वित्तीय तकनीकों का इस्तेमाल कर थर्ड पार्टी एप के साथ मिलकर कार्यरत रहते हैं. भारत में डिजिटल भुगतान का जो नेटवर्क है, उसे आईएमपीएस यानी इमीडिएट पेमेंट सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम से जाना जाता है, जिसकी नियामक संस्था एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) है.

डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने और इसके प्रयुक्तकर्ताओं को प्रशिक्षित करने में भारत सरकार की भूमिका भी सराहनीय रही है. पहले रेल टिकट से लेकर तमाम तरह की बुकिंग में डिजिटल भुगतान के जरिए छूट और प्रोत्साहन दिए जाते थे. लेकिन इसके बाद यह देखा गया कि रेल टिकट से लेकर कई तरह की ऑनलाइन बुकिंग और भुगतान में अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा है. अभी देश में चर्चा इस बात की भी चली है कि डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा.

अर्थव्यवस्था में जिस मद में कारोबार का दायरा और लेन-देन का चलन बढ़ता है, सरकार के राजस्व सलाहकार उस पर राजस्व उगाही की संभावना टटोलने लगते हैं. स्टॉक मार्केट की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा तो सरकार सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स यानी एसटीटी और कैपिटल गेन टैक्स की अवधारणा लेकर आई. मगर यूपीआई पर किसी तरह के टैक्स लगाने की अवधारणा सरकार यदि लेकर आती है, तो यह भारत में डिजिटल भुगतान की गतिशीलता को बाधित करेगा.

भारत में डिजिटल भुगतान की प्रगति के साथ डिजिटल अरेस्ट के मामले लगातार देखे जा रहे हैं. लोगों से इस डिजिटल अरेस्ट के जरिए करीब 4 हजार करोड़ रुपये साइबर अपराधियों ने ठग लिए हैं. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इसे लेकर जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं.

-मनोहर मनोज

महाकौशल की डायरी

दर्द बढ़ा तो थमा दिया लॉलीपॉप...

अविनाश दीक्षित

इन दिनों जबलपुर के प्रबुद्ध जनों के बीच उपलब्धियों और उपेक्षा से संदर्भित सवाल चर्चाओं के केंद्र में हैं. जबलपुर में नए विश्वविद्यालय की घोषणा भी ऐसे समय हुई जब मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के विखंडन को लेकर पिछले कुछ महीने से सवाल खड़े हो रहे थे. कुछ एक संगठनों ने सवाल खड़े किए कि क्या मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी की भरपाई नया विश्वविद्यालय कर पाएगा हालांकि राजनीतिक नेताओं, छात्र संगठनों की ओर से मुद्दे में चुप्पी साधी हुई है.

शहर के नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के साथ कुछ ही संगठनों को छोड़ दें तो मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के विखंडन का विरोध जबलपुर में किसी ने नहीं किया और न ही उसे जरूरी समझा. कयास लगाए जा रहे थे कि विखंडन का उग्र विरोध होगा जिससे प्रदेश सरकार को अपने फैसले को बदलने के लिए सोचना पड़े लेकिन कद्दावर मंत्रियों सहित किसी विधायक ने मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के विखंडन का विरोध नहीं किया जिसका नतीजा रहा कि मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी देश की सबसे छोटी यूनिवर्सिटी बनकर रह गई.

जानकारों का एक बड़ा समूह तो शहर में

स्पष्ट कहते भी आया है कि सब कुछ छीन कर एक छोटा सा लॉलीपॉप जबलपुर को थमा दिया गया है. अभी भी स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों को सियासी मौन हजम नहीं हो रहा. उधर मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के लगभग 300 आउटसोर्स कर्मचारी भी प्रदेश सरकार को कोस रहे हैं जिन्होंने सालों से यूनिवर्सिटी में अपनी सेवाएं दीं और अब इन सभी कर्मचारियों को उनके भविष्य की चिंता सता रही है क्योंकि उन्हें कोई स्पष्ट समाधान नहीं दिया गया है.

विदित हो कि मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी को कमजोर करने का खेल आज बस नहीं खेला गया है इसके पहले भी यूनिवर्सिटी से नर्सिंग और पैरामेडिकल का दायित्व छीन लिया गया था जिसका कारण प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है और यह अपने आप में एक बड़ा सवाल अभी भी खड़ा हुआ है.

छलका तन्खा के दिल का दर्द

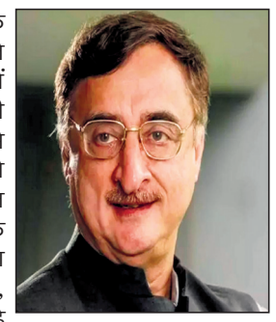

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट ने महाकौशल के साथ पूरे मध्य प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का नया बाजार सरगर्म कर दिया है. श्री तन्खा ने 1 सितम्बर को अपनी पोस्ट के माध्यम से राहुल गांधी के आगामी छात्रों की गूंज कार्यक्रम को इंदौर में आयोजित होने पर खुशी तो जताई लेकिन इस खुशी के पीछे उन्होंने यह भी याद दिला दिया कि इस कार्यक्रम को जबलपुर में आयोजित करने का विचार उन्होंने कांग्रेस की पीएसी बैठक में रखा था, मगर जीतू पटवारी जी का प्रेम इंदौर था. विदित रहे कि 12 सितंबर को आयोजित यह छात्र कार्यक्रम इंदौर में स्टेडियम ना मिल पाने की वजह से फिलहाल टल गया और अब 19 सितंबर को प्रस्तावित है. उधर सोशल मीडिया में कार्यक्रम के स्थान को लेकर कांग्रेस के भीतर अलग-अलग बातें होने लगीं हैं जिससे ध्वनित हो रहा है कि इस विषय को लेकर असंतोष का लेवल बढ़ रहा है. स्मरण रहे कि विवेक कृष्ण तन्खा पिछले लंबे समय से महाकौशल से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं, ऐसे में राहुल गांधी के छात्र कार्यक्रम को जबलपुर में करने की उनकी इच्छा का सार्वजनिक रूप से उल्लेख करना अपने आप में अहम माना जा रहा है. सूत्रों की मानें तो तन्खा ने पोस्ट के माध्यम से जीतू पटवारी और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं को यह संकेत भी दे दिए हैं कि इतनी अनदेखी भी ठीक नहीं है. फिलहाल प्रदेश अथवा शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से अभी किसी ने कोई प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया नहीं दी है, किन्तु पार्टी के भीतर खाने और व्हाट्सएप ग्रुपों में तन्खा की पोस्ट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है.

शिक्षक दिवस | 63 वर्ष की टीचर को मिलेगा अवॉर्ड

रेणु यूट्यूब से पढ़ा रहीं साइंस

उम्र बढ़ने के साथ जहां ज्यादातर लोग आराम की जिंदगी पसंद करने लगते हैं, वहीं रेणु त्रिपाठी आज भी बच्चों को साइंस पढ़ाने में सक्रिय हैं. वह 2006 से गाजियाबाद के विजय नगर स्थित बालिका इंटर कालेज में पढ़ाती हैं. उन्होंने 63 की उम्र में यूट्यूब के माध्यम से छात्रों को साइंस पढ़ाती हैं. उनकी द्वारा दी गई शिक्षा सिर्फ क्लासरूम तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के लिए मॉडल और फील्ड विजिट भी शामिल है. रेणु 12 किताबें लिख चुकी हैं और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार इनोवेशन करती रही हैं. उनके इसी योगदान को देखते हुए उनका चयन नेशनल टीचर्स अवार्ड 2026 के लिए हुआ है. राष्ट्रपति द्रौपदी मर्म उन्हें सम्मानित करेंगी.

सरकार में प्रोजेक्ट ऑफिसर थीं

रेणु त्रिपाठी का करियर सीधे टीचर से नहीं शुरू हुआ था. 1987 में उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार में प्रोजेक्ट ऑफिसर के तौर पर काम शुरू किया था. उनकी जिम्मेदारी स्कूल छोड़ चुके बच्चों की पहचान करना, उन्हें समझाना और फिर से शिक्षा से जोड़ना था. इस दौरान शिक्षा के प्रति उनका जुड़ाव और मजबूत हुआ. वह छात्रों को पढ़ाने के लिए 2 यूट्यूब चैनलों का इस्तेमाल करती हैं और डिजिटल मीडियम से साइंस के स्टूडेंट्स को टॉपिक्स समझाने की कोशिश करती हैं. स्टूडेंट्स को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़कर विषय समझाने पर उनका जोर रहता है. उनके स्टडी मटीरियल में टीचिंग-लर्निंग मॉडल भी शामिल हैं.

निशानेबाज

अंधविश्वास में मन भटका, बीएमडब्ल्यू में नींबू-मिर्च का टोटका

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अंधविश्वास विश्वव्यापी है. इससे पढ़े-लिखे विदेशी भी नहीं बच पाते. दिल्ली में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन ने बीएमडब्ल्यू की नई इलेट्रिक लग्जरी कार खरीदी. इस शानदार गाड़ी को किसी की नजर न लगे, इसलिए पहले तो उसके बोनट पर अपने देश का झंडा लगाया और फिर काले धागे से नींबू-मिर्च बांध लिए. राजदूत भी जर्मन और कार भी मेड इन जर्मनी ! उन्हें ऐसा करने की आवश्यकता क्यों पड़ी ?'

हमने कहा, 'जिस देश में रहो, वहां के रीतिरिवाजों और टोटकेबाजी का प्रभाव पड़ता ही है. भारत के नींबू-मिर्च बांधने वाले अंधविश्वास से जर्मन राजदूत भी जुड़ गए. हमारे देश में अधिकांश दुकानदार रोज नींबू और हरी मिर्च दुकान के दरवाजे पर लटकाते हैं. उनकी सोच रहती है कि ऐसा करने से किसी जलनखोर की नजर नहीं लगेगी और धंधा अच्छा होगा. अला-बला टालने के उद्देश्य से ऐसा किया जाता है. आपने ट्रकों के पिछले हिस्से पर लिखा देखा होगा- बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला !'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जर्मन राजदूत के इस कदम से सीख लेते हुए अब हर कार डीलर को चाहिए कि वह पहले से ही नींबू-मिर्च लटकाकर ग्राहक को कार की डिलीवरी दे. हमें लगता है कि जर्मन राजदूत की देखादेखी दिल्ली की चाणक्यपुरी में रहने वाले अन्य विदेशी राजदूत भी अपनी आलीशान कार में नींबू-मिर्च लटकाने लगेंगे.'

हमने कहा, 'पश्चिमी देशों के लोग भी अंधविश्वासी होते हैं. यूरोप-अमेरिका के होटलों में कोई भी प्रवासी 13 नंबर के कमरे में ठहरना पसंद नहीं करता. वह इसे अशुभ मानता है इसलिए होटल मैनेजमेंट 13 नंबर के कमरे को गोदाम या कबाड़ रखने का कमरा बना देते हैं. जर्मन राजदूत की इच्छा हो तो और भी भारतीय अंधविश्वासों को अपना सकते हैं जैसे कि शुभ मुहूर्त देखकर काम करना, राहु काल को टाल देना, घर से निकलते समय कोई छींक दे या काली बिल्ली रास्ता काट जाए तो रुक जाना, चम्मच भर दही खाकर परीक्षा या नौकरी के इंटरव्यू के लिए जाना, शनिवार या अमावस को कटिंग-दाढ़ी नहीं बनवाना तथा लोहा, नए कपड़े नहीं खरीदना. ऐसे अंधविश्वासों पर पूरी किताब लिखी जा सकती है. वास्तव में अंधविश्वास दिमागी गुलामी की निशानी है.'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर

CROSS WORD 12369

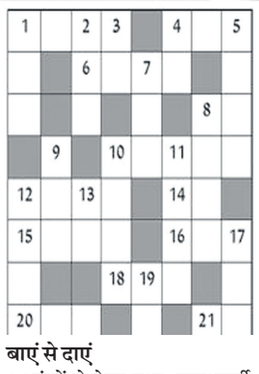

बाएं से दाएं

1.आंखों से देखा हुआ, प्रत्यक्षदर्शी 4. पांच का समूह, शकुन शास्त्र 6. (राजनीति में) उग्र विचार या मत रखने वाला 8. तुरंत, फौरन 10. बल बढ़ाने वाला 12. चुपचाप 14. वैशाली के पास का एक प्राचीन ग्राम जहां महात्मा बुद्ध कुछ दिन ठहरे थे. पाया 15. मुखिया, सेनापति 16. व्यवहार में किसी बात या व्यक्ति का आदर करना, सम्मान या मर्यादा का ध्यान 18. यादगार, वह वस्तु जो किसी को याद रखने के लिए बनाई जाए. 20. चींटी जैसा एक सफेद कीड़ा जो लकड़ी, कागज आदि को नष्ट कर देता है 21. सूर्य संबंधी, सूर्य से उत्पन्न

ऊपर से नीचे

1. हाथ से सूत कातने का एक यंत्र 2.पागल, विक्षिप्त, सनकी (उर्दू) 3. सांस, सांस के साथ धुआं खींचने की क्रिया 4. पथिक, राही 5. मैसूर राज्य का वर्तमान नाम 7. वह बड़ा मंडप जो किसी सभा के अधिवेशन के लिए बनाया या लगाया जाता है 8. गाय-भैंस आदि चराने वाला 9. चंचल, स्थिर न रहने वाला 10. नवजात शिशु या किसी को ईसाई बनाने के समय का एक संस्कार 11. शैव संप्रदाय का तांत्रिक साधु 12. अंग स्पर्श के कारण पैदा हुई सुरसुराहट, उत्कंठा, उमंग 13. खामोश, मौन 17. विष, गरल 19. आक्रमण, हानि, आपत्ति, नाश आदि से बचाव

Solution 12368

ख	नि	क	■	ख	न	न	■
नि	र्वा	ह	■	दा	ग	दा	र
ज	त	न	■	न	■	र	त
■	■	■	चौ	■	गो	द	ना
सि	मा	■	बे	दि	ल	■	री
या	■	अ	■	वा	मा	■	■
स	न	द	■	क	ल	दा	र
त	र	ब	त	र	■	दा	वा

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्रों व भाईयों के सहयोग से राजनैतिक लाभ होगा. सुखद यात्रा का योग है. वर्ष के मध्य में वाहन का सुख प्राप्त होगा. ख्याति एवं राजकीय सम्मान की प्राप्ति होगी. वर्ष के अन्त में शिक्षा में व्यवधान आयेगा. आर्थिक कमी केकारण योजनायें वाधित होंगी. मित्र के कारण हुये विवाद से भागदौड़ रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को मित्रों व भाईयों से राजनैतिक लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक एवं मानसिक परेशानी से राहत मिलेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को ख्याति प्राप्त होगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को विशेष सतर्कता बांछनीय. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को वाहनादि का सुख मिलेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आर्थिक समस्या कासमाधान होगा. तुला और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को सावधानी रखनी चाहिये.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. सुन्दर आकर्षक व्यक्तित्ववान कार्यो के प्रति सजग रहने वाला होगा. परोपकारी एवं दयालु होगा. अच्छी शिक्षा प्राप्त करेगा. नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त होगी. माता पिता का पूरा ध्यान रखेगा. जन्म स्थान के पास भाग्योदय होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

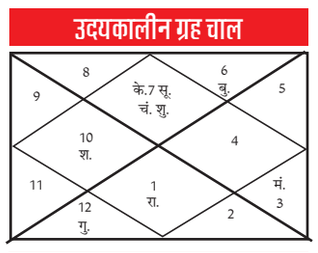

पंचांग

रा.मि. 13 संवत् 2083 भाद्रपद कृष्ण अष्टमीं भृगुवासरे रात 11/13, रोहिणी नक्षत्रे रात 11/12, हर्षण योगे शाम 4/51, बालव करणे सू.उ. 5/46, सू.अ. 6/14, चन्द्रचार वृषभ, पर्व- श्रीकृष्ण जन्माष्टमीं व्रत, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण अष्टमीं को रोहिणी नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, के भाव में तेजी होगी. रूई, कपास, सूत, बिनौला, खली, के भाव में वृद्धि होगी. वायदा विचार आज 12 बजकर 32 मिनिट से विशेष रूप से बाजार का रूख देखकर कार्य करें. भाग्यांक 3207 है.

मेष- सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर खुशी मिलेगी. वाहन सुख मिलेगा. स्वास्थ्य संबंधी सावधानी रखें. मान सम्मान प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी.

वृषभ- मूल्यवान वस्तु सम्हालकर रखे. उदर विकार हो सकता है. भावुकता से बचें. लाभ कम, खर्च अधिक होगा. नवीन योजना बनेगी.

मिथुन- अपनों की मदद करके आप खुश रहेंगे. पारिवारिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. व्यवसायिक मामलों में विचार होगा. अतिथि आगमन होगा.

कर्क- घरेलू कामकाज में व्यस्तता रहेगी. पत्नी के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य बनेगा. कोई ऐसी बात मालुम होगी, जिससे आपको प्रसन्नता होगी.

सिंह- अपूर्ण समाचारों पर गलत निर्णय ले सकते हैं. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. लापरवाही से कार्य करने में कष्ट हो सकता है. मांगलिक कार्य बनेगा.

कन्या- प्रेम प्रसंगों में प्रगाढ़ता आयेगी. मनचाही वस्तुओं की प्राप्ति होगी. लाभदायक अवसर प्राप्त होने का योग है. वैवाहिक कार्यों में सफलता मिलेगी.

तुला- सुविधा की कमी से महत्वपूर्ण कार्य में मुश्किल होगी. भूमि भवन संपत्ति के कार्यों में सफलता मिलेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी. सात्विक कार्य बनेंगे.

वृश्चिक- बातों बातों में नये काम की शुरूआत हो सकती है. आपके द्वारा किया गया प्रयास सार्थक होगा. मित्र वर्ग मदद करेंगे. कामकाजी यात्रा होगी.

धनु- अपने ही लोग उलझानें की कोशिश करेंगे. महत्वपूर्ण समस्याओं का सरलता से समाधान होगा. मांगलिक कार्य बनेंगे. प्रवास में उठाईगीरों से सावधानी रखें.

मकर- अधिकारियों से मेलजोल तरक्की में सहायक रहेगा. नये संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. मान प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी. संतान पक्ष का सुख मिलेगा.

कुम्भ- विवादास्पद मामले हल होने की संभावना है. मन में प्रसन्नता रहेगी. आय में वृद्धि होगी. पूज्य व्यक्ति का सहयोग मिलने का योग है.

मीन- व्यवहारिक कार्यों में सावधानी बांछनीय. अनावश्यक विवाद को टालना हितकर रहेगा. मान सम्मान प्राप्त होगा. साहस संयम रखकर कार्य करें.

SUDOKU 7501

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7500

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7